ग्रेट बैरियर रीफ की रिकवरी

सन्दर्भ

ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ (GBR) के उत्तरी और मध्य भागों में पिछले 36 वर्षों के दौरान कोरल कवर का उच्चतम स्तर दर्ज किया गया है।

प्रवाल भित्तियाँ क्या हैं?

- मूंगे समुद्री अकशेरूकीय या ऐसे जानवर हैं जिनकी रीढ़ नहीं होती है।
- वे ग्रह पर सबसे बड़ी जीवित संरचनाएं हैं।
- प्रत्येक प्रवाल को पॉलीप कहा जाता है और ऐसे हजारों पॉलीप्स एक साथ रहते हैं और एक कॉलोनी बनाते हैं, जो तब बढ़ते हैं जब पॉलीप्स स्वयं की प्रतियां बनाने के लिए गुणा करते हैं।
- प्रवाल एकल-कोशिका वाले शैवाल के साथ सहजीवी संबंध साझा करते हैं जिन्हें ज़ोक्सांथेला कहा जाता है।
- शैवाल प्रकाश संश्लेषण द्वारा प्रवाल के लिए भोजन तैयार करते हैं और उन्हें उनका जीवंत रंग भी देते हैं।
- मूंगे दो प्रकार के होते हैं - कठोर मूंगे और मुलायम मूंगे।
- कठोर मूंगे समुद्री जल से कैल्शियम कार्बोनेट निकालते हैं, जिससे कठोर, सफेद मूंगा एक्सोस्केलेटन बनते हैं। हार्ड कोरल एक तरह से रीफ इकोसिस्टम के इंजीनियर हैं और हार्ड कोरल की सीमा को मापना कोरल रीफ की स्थिति को मापने के लिए व्यापक रूप से स्वीकृत मीट्रिक है।
- नरम मूंगे अपने पूर्वजों द्वारा बनाए गए ऐसे कंकालों और पुराने कंकालों से खुद को जोड़ लेते हैं। नरम मूंगे भी वर्षों से अपने स्वयं के कंकालों को कठोर संरचना में जोड़ते हैं। ये बढ़ती गुणकारी संरचनाएं धीरे-धीरे प्रवाल भित्तियों का निर्माण करती हैं।

ग्रेट बैरियर रीफ

- ऑस्ट्रेलिया की ग्रेट बैरियर रीफ 2,300 किमी में फैली दुनिया की सबसे बड़ी रीफ प्रणाली है और इसमें लगभग 3,000 व्यक्तिगत रीफ हैं।
- यह 400 विभिन्न प्रकार के मूंगों की मेजबानी करता है, मछलियों की 1500 प्रजातियों और 4,000 प्रकार के मोलस्क को आश्रय देता है।
- ऑस्ट्रेलिया में, बैरियर रीफ, पूर्व-कोविड समय में, पर्यटन के माध्यम से सालाना 4.6 बिलियन डॉलर उत्पन्न करता था और गोताखोरों और गाइडों सहित 60,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता था।

प्रवाल विरंजन

- जब गर्मी के तनाव, प्रदूषण, या समुद्र की अम्लता के उच्च स्तर जैसी स्थितियों के संपर्क में आते हैं, तो ज़ोक्सांथेला प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों का उत्पादन करना शुरू कर देते हैं जो मूंगों के लिए फायदेमंद नहीं होती हैं।
- तो, मूंगे अपने पॉलीप्स से रंग देने वाले शैवाल को बाहर निकाल देते हैं, जिससे उनका पीला सफेद बहिःकंकाल उजागर हो जाता है और प्रवाल भुखमरी का कारण बनते हैं क्योंकि मूंगे अपना भोजन स्वयं नहीं बना सकते हैं।
- प्रक्षालित मूंगे विरंजन के स्तर और समुद्र के तापमान के सामान्य स्तर पर वापस आने के आधार पर जीवित रह सकते हैं।
- बाहरी वातावरण में गंभीर विरंजन और लंबे समय तक तनाव से प्रवाल मृत्यु हो सकती है।

महत्व

- प्रवाल भित्तियाँ 25% से अधिक समुद्री जैव विविधता का समर्थन करती हैं, जबकि वे समुद्र तल का केवल 1% हिस्सा लेती हैं।
- रीफ्स द्वारा समर्थित समुद्री जीवन वैश्विक मछली पकड़ने के उद्योगों को और बढ़ावा देता है।
- कोरल रीफ सिस्टम माल और सेवा व्यापार और पर्यटन के माध्यम से वार्षिक आर्थिक मूल्य में $2.7 ट्रिलियन उत्पन्न करता है।

बिजली संशोधन विधेयक

सन्दर्भ

बिजली मंत्री ने हाल ही में लोकसभा में बिजली (संशोधन) विधेयक, 2022 पेश किया।

प्रमुख बिंदु

- विधेयक का उद्देश्य संचार के माध्यम से बिजली के निजीकरण की अनुमति देना है।
- बिल वितरण लाइसेंसधारी के वितरण नेटवर्क तक गैर-भेदभावपूर्ण खुली पहुंच की सुविधा के लिए विद्युत अधिनियम की धारा 42 में संशोधन करने का प्रयास करता है।
- परिणामस्वरूप, डिस्कॉम अन्य लाइसेंसधारियों के बिजली वितरण नेटवर्क का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- बिल में आपूर्ति के एक ही क्षेत्र में कई वितरण लाइसेंसधारियों के मामले में बिजली खरीद और क्रॉस-सब्सिडी के प्रबंधन को सक्षम करने के उद्देश्य से धारा 60ए को शामिल करने का भी प्रावधान है।

• यह अधिनियम की धारा 14 में संशोधन करने का भी प्रयास करता है ताकि सभी लाइसेंसधारियों द्वारा गैर-भेदभावपूर्ण खुली पहुंच के प्रावधानों के तहत वितरण नेटवर्क के उपयोग को सुगम बनाया जा सके:

- सक्षम प्रतिस्पर्धा,
- सेवाओं में सुधार के लिए वितरण लाइसेंसधारियों की दक्षता बढ़ाना और बिजली क्षेत्र की स्थिरता सुनिश्चित करना।

• यदि बिल दोनों सदनों में पारित हो जाता है, तो ग्राहकों के पास बिजली आपूर्तिकर्ता चुनने का विकल्प होगा जैसे कोई टेलीफोन, मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं के लिए चुन सकता है।

परवाज योजना

सन्दर्भ

यह योजना सरकार द्वारा एयर कार्गो के माध्यम से जम्मू और कश्मीर में कटाई की जा रही कृषि और बागवानी के लिए बाजार लिंकेज समर्थन बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

प्रमुख बिंदु

• नवोन्मेषी मार्केट लिंकेज योजना - परवाज़ में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के किसानों की आर्थिक स्थिति के उत्थान के लिए जबरदस्त क्षमता है।
• योजना के तहत, जम्मू और कश्मीर में काटे गए फलों को एयर कार्गो के माध्यम से शिपमेंट के लिए ले जाने के लिए माल ढुलाई शुल्क पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है।
• डीबीटी मोड के माध्यम से किसानों को सब्सिडी प्रदान की जाती है।
• जम्मू और कश्मीर बागवानी उत्पाद विपणन और प्रसंस्करण निगम (जेकेएचपीएमसी), योजना की कार्यान्वयन एजेंसी।
• यह योजना किसानों की आय को दुगनी करके लाभान्वित करती है जिससे उनका आर्थिक और सामाजिक कल्याण सुनिश्चित होता है,
• इस योजना के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का मूल्य सीधे उनके बैंक खाते में मिलेगा और बीच में कोई मध्यस्थ नहीं होगा।

राइजिंग एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स

सन्दर्भ

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन ने पूर्वानुमान एजेंसियों की गंभीर घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न की है।

जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले परिवर्तन

• जलवायु परिवर्तन ने वातावरण में अस्थिरता को बढ़ा दिया है, जिससे संवहनी गतिविधि में वृद्धि हुई है - गरज, बिजली और भारी वर्षा।
• अरब सागर में चक्रवातों की गंभीरता भी बढ़ती जा रही है।
• हिमालय में मिनी मेघ फटने (एक घंटे में पांच सेमी या अधिक वर्षा) की आवृत्ति बढ़ रही है।
• भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई थी और हल्की वर्षा की घटनाओं में कमी आई थी।
• मानसूनी वर्षा के मामले में बड़े पैमाने पर बदलाव देखे जाते हैं।
• उत्तर, पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा में कमी दिखाई देती है, जबकि पश्चिम में कुछ क्षेत्रों, जैसे कि पश्चिमी राजस्थान, में वृद्धि दिखाई देती है।

तीव्र वर्षा के पीछे कारण

• जलवायु परिवर्तन ने सतही हवा के तापमान में वृद्धि की है, जिसके कारण वाष्पीकरण दर में वृद्धि हुई है।
• चूंकि गर्म हवा में अधिक नमी होती है, इससे तीव्र वर्षा होती है।

भविष्यवाणी में सुधार के लिए नियोजित उपाय

• पूर्वानुमान क्षमता में सुधार के लिए आईएमडी रडारों, स्वचालित मौसम स्टेशनों और वर्षामापियों और उपग्रहों के संवर्द्धन के साथ अपने अवलोकन नेटवर्क को मजबूत कर रहा है।
• राडार को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि उनके पास उच्च रिज़ॉल्यूशन होता है और हर 10 मिनट में अवलोकन प्रदान कर सकते हैं।
• पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) की भी अगले दो वर्षों में अपने उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सिस्टम को 10 पेटाफ्लॉप की क्षमता से बढ़ाकर 30 पेटाफ्लॉप करने की योजना है।
• मौसम मॉडल की रेंज जितनी कम होगी, उसका रिज़ॉल्यूशन उतना ही अधिक होगा और सटीकता उतनी ही अधिक होगी।
• वर्तमान में, आईएमडी-एमओईएस मौसम मॉडलिंग प्रणाली का संकल्प 12 किलोमीटर है। इसे 6 किमी बनाने का लक्ष्य है।

वित्तीय स्थिरता बोर्ड

सन्दर्भ

बोर्ड ने हाल ही में कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि क्रिप्टो संपत्ति मजबूत विनियमन और पर्यवेक्षण के अधीन है।

बोर्ड के बारे में

• यह वित्तीय स्थिरता फोरम (FSF) के उत्तराधिकारी के रूप में अप्रैल 2009 में G20 लंदन शिखर सम्मेलन के बाद स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय निकाय है। बोर्ड में सभी G20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं, FSF सदस्य और यूरोपीय आयोग शामिल हैं।
• बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स द्वारा होस्ट और वित्त पोषित, बोर्ड बेसल, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
• यह स्विस कानून के तहत एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में स्थापित है।
• यह राष्ट्रीय वित्तीय प्राधिकरणों और अंतरराष्ट्रीय मानक-निर्धारण निकायों के समन्वय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।

संरचना

• इसमें शामिल हैं: पूर्ण निर्णय लेने वाले निकाय के रूप में पूर्ण संचालन समिति पूर्ण बैठकों के बीच परिचालन कार्य को आगे बढ़ाएगी
तीन स्थायी समितियां
• इसके निर्णय इसके सदस्यों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं।

भारत और एफएसबी

• भारत एक सक्रिय सदस्य है जिसके प्लेनरी में तीन सीटें हैं: (1) सचिव (आर्थिक मामले), (2) डिप्टी गवर्नर (आरबीआई), (3) अध्यक्ष (सेबी)।
• आर्थिक मामलों के विभाग में वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) सचिवालय एफएसबी के साथ भारत के विचारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए विभिन्न वित्तीय क्षेत्र के नियामकों और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय करता है।

हील इन इंडिया पहल

सन्दर्भ

प्रधान मंत्री द्वारा 15 अगस्त, 2022 को पहल की घोषणा करने की संभावना है।

प्रमुख बिंदु

• इस पहल का उद्देश्य भारत को चिकित्सा और स्वास्थ्य पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है।
• स्वास्थ्य मंत्रालय भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ विदेशी मरीजों को जोड़ने के लिए एक रोडमैप बनाने के लिए पर्यटन, आयुष, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, अस्पतालों और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग कर रहा है।
• सभी हितधारकों के सुव्यवस्थित एकीकरण के लिए एक संस्थागत ढांचा तैयार करने के लिए स्वास्थ्य और पर्यटन मंत्रालयों की सह-अध्यक्षता में एक नोडल एजेंसी - मेडिकल वैल्यू ट्रैवल काउंसिल - का गठन किया गया है।
• सरकार ने 44 देशों की पहचान की है जहां से बड़ी संख्या में लोग चिकित्सा प्रयोजनों के लिए भारत आते हैं। ये मुख्य रूप से अफ्रीकी, लैटिन अमेरिकी, सार्क और खाड़ी देश हैं।
• चिन्हित किए गए 10 हवाईअड्डों - दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, कोलकाता, विशाखापत्तनम, कोच्चि, अहमदाबाद, हैदराबाद और गुवाहाटी में इन 44 देशों के मरीजों की संख्या अधिक है।
• 10 हवाई अड्डों पर दुभाषिए और विशेष डेस्क, एक बहुभाषी पोर्टल और सरलीकृत वीजा मानदंड इस पहल के मुख्य आकर्षण होने जा रहे हैं।
• स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से एक बहुभाषी पोर्टल विकसित किया है जो चिकित्सा यात्रा सुविधाकर्ताओं और अस्पतालों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए वन स्टॉप शॉप होगा।
• आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ढांचे के तहत एक विशिष्ट स्वास्थ्य आईडी बनाकर रोगी की यात्रा को ट्रैक करने और भारत में चिन्हित स्वास्थ्य सुविधाओं में सेवा वितरण की निगरानी करने के लिए एक तंत्र भी होगा।
• बांग्लादेश, इराक, मालदीव, अफगानिस्तान, ओमान, यमन, सूडान, केन्या, नाइजीरिया और तंजानिया में भारत आने वाले कुल अंतरराष्ट्रीय रोगियों का लगभग 88% हिस्सा है। अकेले बांग्लादेश में कुल चिकित्सा पर्यटकों का 54% हिस्सा है। भारत में चिकित्सा उपचार संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में 65 से 90% सस्ता है।

आर्थिक जनगणना

सन्दर्भ

वित्त पर संसद की स्थायी समिति ने आर्थिक जनगणना (ईसी) के निष्कर्षों को जारी करने में बढ़ती देरी पर टिप्पणी की।

प्रमुख बिंदु

Economic Census	Year
First Economic Census	1977
Second Economic Census	1980
Third Economic Census	1990
Fourth Economic Census	1998
Fifth Economic Census	2005
Sixth Economic Census	2013
Seventh Economic Census	2019

• सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा आयोजित की जा रही सातवीं आर्थिक जनगणना 2019 में शुरू की गई थी।
• MoSPI ने कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक विशेष प्रयोजन वाहन CSC ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ भागीदारी की है।
• यह देश भर में काम कर रहे औपचारिक और अनौपचारिक गैर-कृषि उद्यमों का एक महत्वपूर्ण संग्रह है।
• यह घरेलू-आधारित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से डेटा एकत्र करता है।
• उद्यमों की संख्या, लगे हुए व्यक्तियों की संख्या, स्वामित्व की स्थिति, पंजीकरण, वार्षिक कारोबार, शाखाओं और वित्त के स्रोतों के बारे में जानकारी एकत्र की जाती है।
• बिना उद्यम वाले परिवारों से बुनियादी घरेलू विवरण एकत्र किए जाते हैं।
• हर 5 साल में आयोजित, जिला कलेक्टर जिला स्तरीय समन्वय समिति (DLCC) के प्रमुख होते हैं।
• नवीनतम चुनाव आयोग से विमुद्रीकरण, माल और सेवा कर और कॉर्पोरेट करों को कम करने जैसे नीतिगत बदलावों के कार्यान्वयन के बाद से भारत के आर्थिक परिदृश्य में बदलावों को पकड़ने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

सन्दर्भ

सामाजिक-आर्थिक विकास में हथकरघा उद्योग के योगदान को उजागर करने और इस क्षेत्र के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल 7 अगस्त को भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इतिहास

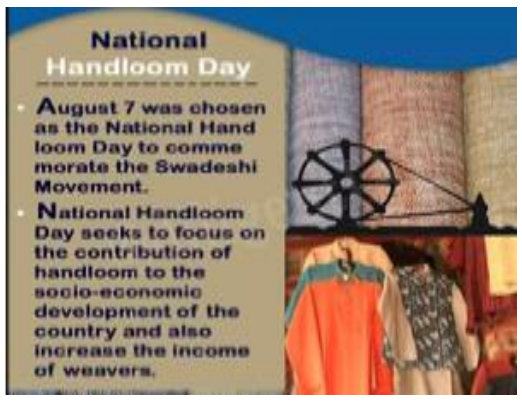

• राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 7 अगस्त को मनाया जाता है क्योंकि उसी दिन स्वदेशी आंदोलन का जन्म हुआ था।
• भारत सरकार ने 7 अगस्त, 2015 को चेन्नई में पहली बार राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उद्घाटन और जश्न मनाया।

प्रमुख बंदु

• हथकरघा क्षेत्र देश के सबसे बड़े आर्थिक क्षेत्रों में से एक है। इस क्षेत्र के बुनाई समुदाय द्वारा निर्मित उत्पाद दुनिया भर में लोकप्रिय हैं।
• कपड़ा मंत्रालय के तत्वावधान में पूरे देश में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण रोजगार स्रोत होने के अलावा, हथकरघा क्षेत्र भी महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र प्रमुख है क्योंकि सभी बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों में से लगभग 70% महिलाएं हैं। भारतीय हथकरघा क्षेत्र संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका सहित दुनिया भर के 20 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण खबरें

गजपायन

सन्दर्भ

मैसूर दशहरा उत्सव में भाग लेने के लिए हाथियों के पहले जत्थे का शानदार मार्च, गजपायन, नागाहोल टाइगर रिजर्व से मैसूरु तक शुरू हुआ।

मैसूर दशहरा के बारे में

• मैसूरु दशहरा कर्नाटक का राज्य त्योहार है, जिसे आमतौर पर 'नदहब्बा' कहा जाता है।
• नवरात्रि के दौरान 10-दिवसीय उत्सव मनाया जाता है जो विजयदशमी पर एक भव्य समापन पर पहुंचता है।
• मैसूर को कभी 'महिशूर' कहा जाता था, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह वह स्थान है जहां देवी चामुंडेश्वरी (दुर्गा का एक रूप) ने भैंस के सिर वाले राक्षस महिषासुर का वध किया था।

संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ)

सन्दर्भ

भारत ने हाल ही में औपचारिक रूप से संयुक्त समुद्री बलों (सीएमएफ) के साथ सहयोग शुरू किया है।

प्रमुख बिंदु

- सीएमएफ लगभग 3.2 मिलियन वर्ग मील के अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए एक 34-राष्ट्र समूह की नौसेना साझेदारी है।
- 2001 में स्थापित, मनामा, बहरीन में मुख्यालय, इसकी कमान यू.एस. नौसेना के वाइस एडमिरल के पास है।
- यह उच्च समुद्रों पर अवैध गैर-राज्य अभिनेताओं का मुकाबला करके नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय आदेश (RBIO) को कायम रखता है।
- इसमें तीन टास्क फोर्स शामिल हैं: CTF 150 (समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी), CTF 151 (काउंटर पायरेसी) और CTF 152 (अरब की खाड़ी सुरक्षा और सहयोग)।
- पाकिस्तान सीएमएफ का पूर्ण सदस्य है।
- भारत-यू.एस. 2+2 अप्रैल, 2022 में भारत ने घोषणा की थी कि वह एक सहयोगी भागीदार के रूप में सीएमएफ में शामिल होगा।
- भारतीय नौसेना में बहरीन में यू.एस. सेंट्रल कमांड (CENTCOM) में एक संपर्क अधिकारी तैनात है जो सीएमएफ के साथ सहयोग के लिए बिंदु व्यक्ति के रूप में भी कार्य करेगा।
- इसके सदस्य या तो राजनीतिक या सैन्य जनादेश से बंधे नहीं हैं।

भारत की उड़ान पहल

सन्दर्भ

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और गूगल ने 'इंडिया की उड़ान' पहल की शुरुआत की, जो आजादी के बाद से अपनी 75 साल की यात्रा में देश द्वारा हासिल किए गए मील के पत्थर पर कब्जा कर लेगा।

प्रमुख बिंदु

- सर्च जाइंट गूगल के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य कला और सांस्कृतिक कलाकृतियों के ऑनलाइन भंडार के माध्यम से भारत की उपलब्धियों का जश्न मनाना है।
- यह पहल सरकार के साल भर चलने वाले 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही है।
- Google की कला और संस्कृति वेबसाइट पर होस्ट की गई ऑनलाइन परियोजना, पिछले 75 वर्षों से महत्वपूर्ण घटनाओं और प्रतिष्ठित क्षणों पर सूचनात्मक सामग्री प्रदान करती है, जिसके दौरान भारत का दुनिया भर में एक नया और उच्च स्थान विकसित हुआ है।
- भारत की उड़ान परियोजना का केंद्रीय विषय 'पिछले 75 वर्षों में भारत की अटूट और अमर भावना' है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare